Pg 1   24-7-2020

Seema Aziz

B.A II (H)

Home-Science

प्र. गृह-अलंकरण में रंग का महत्व बताए, विभिन्न प्रकार की रंग-योजनाओं पर प्रकाश डालें ?

Ans सजावट में रंगों का अपना विशिष्ट स्थान है। प्रत्येक वस्तु की सुन्दरता रंगों के उचित मेल एवं सुन्दर रंग से सजाने पर निर्भर करती है। घर को सजाने में विशेष रंगों का चुनाव उस समय की परिस्थिति, वातावरण, आकार, रूप तथा उसका उपयोग देखकर करना पड़ता है। रंगों का मानव जीवन से घनिष्ठ संबंध है। बेढंगे रंगों से सजा कमरा, व्यक्ति का चित्त अशान्ति और व्यग्रता जागृत करता है।

रंगों के प्रकाश -> रंग व्यवस्था में कुछ रंग प्रधान होते हैं उन्हे प्राथमिक रंग कहते है। सफेद लाल तथा पीला को प्राथमिक रंग कहते है ये किन्ही रंगों के संयोग से नहीं बनते है। प्रमुख रंगों को छोड़कर अन्य निर्मित रंगों को माध्यमिक रंग मिलाने से तीसरा रंग बनता है जिसे मध्यवर्ती रंग कहते है। जैसे लाल के साथ नारंगी ~~मिलाने~~ मिलाने से लाल, नारंगी, पीले के साथ हरा मिलाने से पीला हरा बनता है।

Scanned with CamScanner

हो। द्वितीयक रंगों के सम्मिश्रण से तृतीय रंग बनते है। लाल और नारंगी रंग को सबसे गर्म रंग कहा जाता है। नीला रंग शीतलता देता है. तथा हरा रंग बनते है तथा हरा रंग गर्म और शीतलता के बीच का रंग है।

हल्के रंग सामग्री की माप को बढ़ाते है तथा अधिक या गहरे रंग वस्तु की माप को कम करती है। कमरे की सजावट करते समय यह जरूरी है कि रंगों की तीव्रता या हल्कापन को ध्यान में रखा जाये। स्थान की दूरी तथा निकटता प्रकट करने में रंग बहुत सहायक होते है हल्के तथा शीतल रंग बहुत तथा कमरे के स्थान को बढ़ा देते है। छोटे कमरे में हल्का रंग तथा बड़े कमरे में गहरा रंग उपयुक्त होता है।

रंगों का उपयोग → रंगों का प्रयोग व्यक्तिगत रुचि से संबंधित है, फिर भी कुछ अन्य बातें भी उसमें सहयोगी है। परिस्थिति, मौसम, उम्र, कमरे का आकार, कमरे का प्रयोग, कमरे का प्रकाश, फैशन, वातावरण आदि के अनुसार है। रंग शोभा देता है। पर्व-त्योहार के अवसर पर चित्र चटकिला रंग गर्मी के दिनों में हल्का रंग ठंडे देशों के कमरे में उष्णता युक्त प्रदान करने वाला रंग अच्छा लगता है। बड़े तथा प्रकाश युक्त

कमरे में चटकीले रंग तथा गहरा रंग एवं छोटे तथा अंधेरे में सफेद या हल्का रंग का व्यवहार करना चाहिए।

रंग - व्यवस्था करते समय प्राकृतिक तथा कृत्रिम प्रकाश का भी ध्यान रखना चाहिये कमरे का चित्रवृत्ति उसके रंग के माध्यम से व्यक्त की जा सकती है।

रंग में सामंजस्य ⇒ किसी कमरे को सजाने के लिए कुछ रंग सिद्धांत प्रचलित है, जिनके आधार पर कमरे को सजाना चाहिए जो निम्न है।

(क) एक रंगी योजना ⇒ इसमें कमरे की सभी वस्तुओं को एक रंग से सजाया जाता है फर्श, कालीन, दीवार, सोफा, पर्दा आदि एक ही रंग के होते है यह देखने में अच्छा लगता है लेकिन कभी-कभी उदासीनता आने लगती है।

(ख) एक वर्गी रंग योजना ⇒ इसमें किसी रंग को आधार मान लिया जाता है तथा पूरे कमरे को उसी प्रकार के रंग से सजाया जाता है। इस सजावट में हमेशा ध्यान रखना चाहिये कि सबसे गहरा रंग पृष्ठभूमि पर हो तथा अधिक गहरा अग्रिम भाग पर इससे कमरे में उदासीनता नहीं आती है तथा कमरे में एकता का भाव रहता है।

(ग) बहुरंगी योजना ⇒ इस योजना के अन्तर्गत कमरे को कई हल्के तथा गहरे रंगों से सजाया जाता है ऐसी

Scanned with CamScanner

सजावट थोड़ी कठिन होती है। इस सजावट से रंग की संवेदनशीलता बढ़ती है। रंगों का उचित प्रयोग नहीं होने से उच्छृंखलता तथा भावनाओं में द्वन्द्व होने लगती है।

(घ) विपरित रंग योजना ⇒ इसमें एक प्रधान रंग चुना जाता है। फिर उसके विपरित गौण रंगों को चुनकर कमरे को सजाया जाता है। गौण रंगों का प्रयोग प्रधान रंग की सुंदरता के लिए होता है। एक फीका रंग चुना जाये तो दूसरा रंग चटक होना चाहिए नहीं तो प्रभाव फीका पड़ जायेगा।

कभी-कभी विपरीत रंगों में कुछ परिवर्तन भी आवश्यक होता है, सजावट ऐसी हो जो देखनेवालों को आकर्षक लगे।